• सुकून...

झीलों के शहर...

घूमना-फिरना किसे पसंद नहीं होता है। नदी या झील का किनारा हो आप अकेले खुद में खो जाएं या फिर पार्टनर के साथ बैठकर कुछ सुकून भरे पल बिताएं। इस तरह के यादगार पल ही तो जिंदगी जीने का मजा देते हैं, इसलिए कुछ वक्त पर ट्रिप प्लान करते रहना चाहिए। फिलहाल अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्हें हरियाली भरी जगहों की सैर करना पसंद हैं तो बता दें कि भारत में ही कई ऐसी जगहें हैं जहां पर काफी झीलें हैं और इन जगहों को झीलों का शहर कहा जाता है। घुमक्कड़ प्रकृति के इंसान हैं और नदियां झीलें पसंद हैं और ऐसी जगहों की ट्रिप प्लान करना चाहते हैं तो जान लें उन शहरों के नाम जहां पर झीलों और प्राकृतिक सुंदरता की कोई कमी नहीं है। तो चलिए जान लेते हैं।

▶ **नैनीताल है झीलों का शहर**-झीलों की बात की जाए तो नैनीताल का नाम ज्यादातर लोग सबसे पहले लेंगे और यह लोगों के बीच काफी पॉपुलर डेस्टिनेशन है। यहां पर सात एक दूसरे से जुड़ी हुई झीलें भी हैं। भीमताल सबसे बड़ी झील है, इसके अलावा नौकुचियाताल, मालवा ताल, लोखम ताल, हरीशताल, नल दमयंती ताल, पूर्णा ताल जैसी कई झीले हैं।

▶ **उदयपुर भी है झीलों का शहर**-राजस्थान का उदयपुर शहर भी झीलों से घिरा हुआ है, यहां पर सात झीलें हैं, जिनमें पांच सबसे मुख्य झीलें हैं। इसमें पिछोला झील, रंग सागर झील, दूध तलाई झील, और फतेहसागर झील है।

▶ **मध्य प्रदेश के भोपाल में भी हैं कई झीलें**-भोपाल भी एक ऐसा शहर है, जहां पर खूबसूरत झीलें हैं। यहां की प्रमुख झीलों की बात करें तो मोतिया तालाब, लेंदिया झील, सारंगपाणी झील, मैनिट झील, शाहपुरा झील, नवाब सिद्दीकी हसन खान झील, मुंशी हुसैन खान झील जैसी कई झीले हैं। भोपाल आएं तो इन जगहों पर जाकर एक बार सुकून भरा वक्त जरूर बिताएं।

▶ **राजस्थान के बूंदी में भी हैं झीलें**-गर्म जलवायु वाले राजस्थान में न सिर्फ झीले हैं बल्कि यहां पर कई झरने भी हैं जहां जाना आपके लिए यादगार रहेगा। फिलहाल यहां पर नवल सागर झील पर्यटकों को काफी लुभाती है तो वहीं यहां पर कनक सागर, जैतसागर, सूरसागर, आदि झीलें हैं।

• सावन में...

जरूर चखें बनारस के ये फूड्स

सावन का महीना शुरू होने वाला है और इस पूरे महीने शिव भक्त महादेव की नगरी काशी में जाना काफी पसंद करते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में आस्था के चलते सावन में लोगों की खूब भीड़ उमड़ती है। यहां के प्राचीन मंदिर से लेकर खूबसूरत गंगा के घाट भी लोगों को खूब लुभाते हैं। इसके अलावा अगर बनारस में कुछ लुभाता है तो वो है यहां का स्वाद। इस सावन अगर आप भी बनारस जाने का प्लान बना रहे हैं तो यहां की कुछ चीजों को चखना बिल्कुल भी न भूलें। इन फूड्स का स्वाद आपकी जुबान पर चढ़ जाएगा और हमेशा याद रहेगा।

बनारस में जो लोग जाते हैं वो इस जगह को कभी भूल नहीं पाते हैं। आध्यात्मिक शांति से भरा ये शहर अपनी संस्कृति, बनारसी साड़ियों की कारीगरी और कमाल के स्वाद के लिए जाना जाता है और बड़े-बड़े सेलिब्रिटी भी यहां आना अपना सौभाग्य समझते हैं। फिलहाल जान लें कि बनारस में आपको कौन सी चीजों का स्वाद जरूर लेना चाहिए।

⏩ बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जाएं तो यहां पर चाट का स्वाद जरूर लें। मंदिर के पास बाबा विश्वनाथ के नाम से ही चाट भंडार है, जहां की चाट काफी फेमस है। हाल ही में नाती अंबानी भी अपने बेटे की शादी से पहले बनारस पहुंची थीं और उन्होंने यहां पर चाट का जायका लिया।

⏩ बनारस की सबसे फेमस मिठाई मलइयो का स्वाद नहीं लिया तो क्या चखा, ये एक ऐसी मिठाई होती है जो आपके मुंह में जाते ही घुल जाएगी। इस मिठाई की सबसे खास बात ये होती है कि इसे रातभर ओस में रखकर तैयार किया जाता है। मलइयो बनाने के लिए दूध को उबालकर उसे रात में खुले आसमान के नीचे रखा जाता है और सुबह तड़के 3 से 4 बजे उठकर दूध को ट्रेडिशनल तरीके से तब तक मथा जाता है जब तक कि से बिल्कुल पफी न बन जाए। इसके बाद इसमें इलायची, पिस्ता, केसर, चीनी जैसे इनग्रेडिएंट्स मिलाए जाते हैं और कुल्हड़ में परोसा जाता है।

⏩ अगर आप बनारस जा रहे हैं तो यहां पर कचौड़ी और आलू की सब्जी-पूरी का स्वाद भी आपको हमेशा याद रहेगा। यहां पर हींग की कचौड़ी काफी फेमस है। बनारस की गलियों में जा रहे हैं तो यहां के राम भंडार पर जाकर आलू की सब्जी-पूरी का स्वाद जरूर लें। इसके अलावा यहां की जलेबी भी काफी फेमस है।

⏩ वैसे तो देशभर में पान की अनगिनत दुकानें हैं और अलग-अलग तरह से लोग पान का बीड़ा बनाते हैं, लेकिन बनारसी पान की बात ही निराली है। बनारस का पान तो फिल्मों में भी नजर आ चुका है और गाना भी बना चुका है। काशी में आप नेता जी पान भंडार से पान का स्वाद चख सकते हैं। यह काफी पुरानी दुकान है और कई बड़े नेता से लेकर सेलिब्रिटी तक यहां पहुंच चुके हैं।

सह्याद्रि पर्वतमाला का ये हिल स्टेशन

गुजरात के कई पर्यटक स्थल ऐसे हैं जिन्हें मानसून के मौसम में देखने का एक अलग ही आनंद है। इस कड़ी में हम गुजरात के ऐसे ही एक पर्यटक स्थल सापुतारा के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात-महाराष्ट्र की सीमा पर गुजरात का डांग जिला बसा हुआ है। इसी डांग जिले में गुजरात का एक मात्र हिल स्टेशन है 'सापुतारा'। सापुतारा सह्याद्रि या कहें कि पश्चिमी घाट के पहाड़ियों पर स्थित है।

सापुतारा का हिल स्टेशन हरे-भरे जंगलों के बीच में बहुत खूबसूरत दिखता है। यहां के लहरदार पहाड़ों की घाटियां, ऊपर से गिरते झरनों की आवाज, घुमावदार ऊपर-नीचे होती सड़कों की बनावट को देखते हुए लगता है बस कि क्या खूबसूरत लैंडस्केप है।

डांग जिले में गुजरात का एक मात्र हिल स्टेशन है 'सापुतारा'। सापुतारा सह्याद्रि या कहें कि पश्चिमी घाट के पहाड़ियों पर स्थित है। सापुतारा का हिल स्टेशन हरे-भरे जंगलों के बीच में बहुत खूबसूरत दिखता है।

यहां के लहरदार पहाड़ों की घाटियां, ऊपर से गिरते झरनों की आवाज, घुमावदार ऊपर-नीचे होती सड़कों की बनावट को देखते हुए लगता है बस कि क्या खूबसूरत लैंडस्केप है...

सापुतारा के मशहूर दर्शनीय स्थल

हटगढ़ किला, सापुतारा झील, सनराइज प्वाइंट, सनसेट प्वाइंट, गिरा वाटर फॉल्स, सापुतारा ट्राइबल म्यूजियम, पूर्णा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, नागेश्वर महादेव मंदिर, टाउनव्यू पॉइंट, हनी बीज सेंटर, स्टेप गार्डन जैसी जगहें पर्यटन के लिए बेहतरीन हैं।

सापुतारा का मानसून महत्व

गुजरात के इस सापुतारा हिल स्टेशन पर हर साल मानसून के मौसम के दौरान मानसून महोत्सव का आयोजन किया जाता। इस महोत्सव में संस्कृति को नजदीक से देखने और जानने का मौका मिल जाता है। सापुतारा का मानसून महोत्सव हर साल अगस्त महीने के आखिरी सप्ताह से लेकर सितंबर के दूसरे सप्ताह तक चलता है। महोत्सव के दौरान यहां के जंगल की हरियाली, दूध की तरह दिखने वाले झरने, ऊपर से गिरते नीचे गिरते झरनों के पानी की आवाज सुनकर मन को अलग ही सुकून मिलता है।

मानसून महोत्सव के दौरान पर्यटकों के मनोरंजन के लिए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, जिनमें नौका दौड़, पहाड़ों की ट्रैकिंग, आदिवासियों का डांस, स्ट्रीट मैजिक शो, पैराग्लाइडिंग, बोटिंग, वॉटर स्पोर्ट्स, सेगवे राईड शामिल हैं। वहीं छोटे बच्चों के लिए घुड़सवारी, ऊंट सवारी, चट्टानों पर चढ़ने की कला के साथ कई तरह के क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है।

सापुतारा हिल स्टेशन पहुंचने का मार्ग

सड़क मार्ग : सापुतारा हिल स्टेशन महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश से सीधे पहुंचा जा सकता है। सापुतारा की मुंबई से दूरी लगभग 250 किमी जो की 6 घंटों में पूरी हो जाती है, पुणे से 300 किमी की दूरी है जो 6 घंटों में पूरी हो जाती है। मध्य प्रदेश के इंदौर से 400 किमी की दूरी पर स्थित जो की लगभग 8 घंटों में पहुंचा जा सकता है। सूरत से लगभग 150 किमी दूर है जिसे 3.30 घंटों में पूरा किया जा सकता है। अहमदाबाद से 400 किमी है जो कि लगभग 7 घंटों में पूरा किया जा सकता है।

रेल मार्ग : सापुतारा हिल स्टेशन पहुंचने के लिए गुजरात के सूरत और महाराष्ट्र के नासिक से पहुंचा जा सकता है। वहीं सापुतारा के सबसे नजदीक का रेलवे स्टेशन वाघई और बिलिमोरा है। वाघई सापुतारा से लगभग 50 किमी दूर है तो वहीं बिविमोरा लगभग 110 किमी की दूरी पर स्थित है। बिलिमोरा का रेलवे स्टेशन सूरत और मुंबई रेल मार्ग पर स्थित है इसलिए इस स्टेशन के लिए ट्रेन सभी बड़े शहरों से मिल जाती है।

हवाई मार्ग : सापुतारा के सबसे नजदीक का एयरपोर्ट सूरत का है जो सापुतारा से लगभग 150 किमी दूरी पर स्थित है। जबकि मुंबई एयरपोर्ट की दूरी लगभग 250 किमी है। दोनों ही एयरपोर्ट देश के सभी बड़े शहरों से सीधे जुड़े हुए हैं। ■ **साभार : टाइना**

• मध्यप्रदेश...

पचमढ़ी

मध्य प्रदेश की पूर्व राजधानी पचमढ़ी को अंग्रेजों ने बनाया था। ब्रिटिश काल के समय इसे गोंड जनजाति की राजधानी कहां जाता था। लेकिन 1857 में अंग्रेजों ने आधिकारिक रूप से पचमढ़ी पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद इस शानदार ऊंची नीची पहाड़ी एवं हरियाली से भरे हिल स्टेशन का परिचय पश्चिमी दुनिया से 1887 से ब्रिटिश सैनिक कैप्टन जेम्स फोर्सर्थे से ने कराया था। आजादी के बाद 1967 तक पचमढ़ी मध्य प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी थी। पचमढ़ी हिल स्टेशन को सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। यह हिल स्टेशन नर्मदापुरम जिले में आता है। पचमढ़ी हिल स्टेशन 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है। यहां सुंदर जगह सतपुड़ा की सुंदर पहाड़ियों और हरे-भरे जंगल से घिरी हुई है। यहां खूबसूरत वॉटरफॉल और कल कल बहती नदियां के साथ खूबसूरत घाटियां यहां आपको देखने को मिलेगी।

• झांसी...

उत्तर प्रदेश के झांसी को भी प्री-वेडिंग शूट के लिए चुना जा सकता है। कपल शूट के लिए सबसे पॉपुलर लोकेशन की बात करें तो लोग झांसी में गढ़मऊ झील पर काफी जाते हैं। पहाड़ियों से घिरी हुई ये जगह काफी खूबसूरत लगती है। इसके अलावा बरुआसागर में बना किला, झांसी का किला, पहुंज बांध भी प्री-वेडिंग शूट के लिए पसंद की जाने वाली लोकेशन हैं।